

ऊ

*ऊ (अक्षर)-ऊ १. ऊच्य शहर-घ २७. ऊझ जे. पी. (कवि)-ज १५०. ऊद (नांव)-अ २८; ध ७५; स १२१. *उद्गाइन-ऊ १. *ऊदाम्ल-ऊ २.

*ऊदिदिन (बेझिडाईन)-ऊ ३. *ऊदिन (बेझिन)-ऊ ४. *ऊदिल उल्कहल (बेझिलअल्होहोल)-ऊ ६, ६८. *ऊदिल प्रायोज्जिद-ऊ ६. *ऊदिल भानन (बेझोफिनन)-ऊ ७. उद्गीत-स १८. *ऊधमबाई (हिंदु स्त्री)-ऊ ८. ऊर्ध्वाधरवृत्त-ज ३७७. ऊन (गृहस्थ)-वि. ३, उ. १०. नकशी काम -इंदूर संस्थान-इ १४९. ऊन पाण्याचे झरे-भ ६०. ऊना गांव-वि. ५, पृ. ११२.

ऊनोदरी-ज ३२१. ऊर राजघराणें-विभाग ३, उ. ३३. -शहर-वि. ३, उ. ३४. -छाती-श ३५. ऊर सिंहराजा-अ ७४. ऊराळी लोक-क ५८२. ऊरि-भ २७. ऊर-वि. ३, पृ. ४८०; स ५०. -अझकचा राजवंश-वि. ३, उ. ३४. ऊरभंग-न १०८. -डावपेंच व २९७. ऊरमालै-श ७७. -त्रप्पहरेर इळयोन-च २०८. -शूल-म ३४. *ऊरुस्तंभ-ऊ ८. ऊर्चचैराज्य (पहिलें घराणें)-वि. ३, उ. ३२. ऊर्जमास-वि. ५, पृ. २९३. ऊर्जयन्ती-वि. ३, पृ. ३४७. ऊर्जव्य-वि. ३, पृ. ७१; २६१.

ऊर्जा (देवता)-वि. २, पृ. २४६. -स्त्री-व १२४. ऊर्जानी (देवता)-वि. २, पृ. २४६. ऊर्ण खंडधारी-व ५३. ऊर्णनाभि, (ऊर्णवाभि ऊर्णवंत)-वि. ३, पृ. ३६७; अ १२५. ऊर्णपर्ण-व ६१. ऊर्णा-वि. ३, पृ. ४७०. ऊर्णावती-वि. ३, पृ. २१३. ऊर्णिका-अ २१२. ऊर्दर-वि. ३, पृ. ३५६. ऊर्ध्वकेतु (विदेहवंशी)-अ ६३. ऊर्ध्वकोनमापक यंत्र स २७४. ऊर्ध्वग -क ६५६. ऊर्ध्वगामी-विभाग ५, पृ. १५९. ऊर्ध्वपातनक्रिया-ऊ १०; ७६; र ३३. -पुंड्र-व १७३. -महाशिरा-स १२८. -मुख-व ८०. -रोमापर्वत-क ५९४. -शाखा-श २३,३०. -सद्मा-वि. ३, पृ. ४८०. -स्थूलांत्र-श ३७. ऊर्मि-स १८. ऊर्मिका-अं ३२, ८८. ऊर्मिळा-वि. १, पृ. ३०७. ऊर्वशी (अप्सरा)-वि. १, पृ. ३२९; क ६९४. ऊर्वस्थि (शीर्ष)-श ३१.

ऊलंड लडविग-ज १५४. ऊल्फेन्स्टीन-ज १६४. *ऊंस-ऊ १०; क ६३५,६३७; च ८९,९३; प १२५. -कबिन्या (सोलापूर)-ऊ १२. -कळक्या (सातारा)-ऊ १२. -कळीजडी (सुरत)-ऊ १२. -खत-ख ३३. -गाभ्यांत रंगणें-प ११८. -घाणे-क ६२८. -चरक क ६४१. -पीक-क ६२३,६२५. -फारशी भर होत नाही-ऊ १३. -रंगणें-ऊ २०. -लागवड (चांदा)-च ५१. -वनस्पति-व ४१. -सणबिळें (धारवाड)-ऊ १२.

ऊष-वि. ३, पृ. १५९.

ऊहगान ग्रंथ-वि. ॡ, पृ. १६ॡ ऊहग्रंथ-वि. ॡ, पृ. १७३. ऊहड-ओ ३३. ऊहय ग्रंथ-विभाग
ॡ, पृ. १७३.